कुल पृष्ठ संख्या–28 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या............21622

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा 2024-25

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Canc
(In
(In E
Th GHTY
पर्
श

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय ....अर्थशास्त्र.......

परीक्षा का दिन ....मंगलवार.......

दिनांक ....18-03-2025.......

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	18	19	4
2	6	20	4
3	12	21	
4	2	22	
5	2	23	
6	1½	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	3	योग	80 (79½)
15	3	प्राप्त अंको का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	4		

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 40036

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी :–
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	1.	
	Ans.	
1		(i) (अ)
1		(ii) ~~(अ)~~ (स)
1		(iii) (ब)
1		(iv) (द)
1		(v) (अ)
1		(vi) ~~(ब)~~ (स)
1		(vii) ~~स~~ (अ)
1		(viii) (द)
1		(ix) (स)

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1		(x) ~~(द)~~ (ब)
1		(xi) (अ)
1		(xii) (अ)
1		(xiii) (द)
1		(xiv) (द)
1		(xv) (स)
1		(xvi) (ब)
1		(xvii) (ब)
1		(xviii) (द)

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	2 Ans	
1	(i)	मुद्रा विनिमय का एक सर्वमान्य माध्यम है।
1	(ii)	उपभोग फलन आय तथा उपयोग में संबंध की व्याख्या करता है।
1	(iii)	अन्तर्राष्ट्रीय लेन देन में स्थिरता लाने के लिए IMF की स्थापना की गई।
1	(iv)	समाजवादी अर्थव्यवस्था का निकटतम उदाहरण चीन है।
1	(v)	आय का लागत पर आधिक्य ~~का~~ बजट लाभ कहलाता है।
1	(vi)	फर्मों के निर्बाध प्रवेश तथा बहिर्गमन से अभिप्राय है कि बाजार कीमत सदैव न्यूनतम औसत लागत के बराबर होगी।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

3 Ans

1 (ii) डिजिटल सौदे का माध्यम Phonepay है।

1 (iv) निवेश ⇒ निवेश से अभिप्राय पूंजी के स्टॉक में वृद्धि होने से है।

निवेश करने से उपभा निवेशकर्ता की आय में वृद्धि होती है जिससे उसकी पूंजी में वृद्धि होती है।

1 (vii) विदेशी विनिमय बाजार ⇒

विदेशी विनिमय बाजार का आशय है कि एक देश की वस्तुओं और सेवाओं का दूसरे देशों के साथ व्यापार। दुनियाभर की मुद्रा का आदान-प्रदान होता है।

1 (viii) क्या उत्पादन करें? यह अर्थव्यवस्था की एक केन्द्रिय समस्या है।

BSER-17/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1		(ix) सीमान्त उपयोगिता => वस्तु की अतिरिक्त इकाई के उपभोग / उपयोग से कुल उपयोगिता में होने वाला परिवर्तन ही सीमान्त उपयोगिता कहलाती है।
		(x) उत्पादन फलन => यह फलन उत्पादन तथा उत्पादन को प्रभावित करने वाले कारकों के मध्य संबंध बताता है उसे उत्पादन फलन कहते हैं। ✗
1		(xi) पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार में अधिपूर्ति का अर्थ है। बाजार में मांग, पूर्ति की तुलना में कम है अर्थात अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी विद्यमान है।
1		(xii) पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार => यह बाजार की ऐसी संरचना जहाँ समरूप वस्तुओं के बहुत सारे क्रेता और विक्रेता होते हैं तथा इसमें क्रेता और विक्रेता दोनों को बाजार की पूर्ण जानकारी होती है।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(i)	महामंदी का यूरोप और उत्तरी अमेरिका पर बड़ा प्रभाव प्रभाव पड़ा था। इससे निर्यातों में कमी हुई, बेरोजगारी छा गई।
	(iii)	~~सीमांत उपभोग प्रवृति ⇒ आय के एक दिये हुए स्तर उपभोग के लेखे - जोखे को सीमान्त उपभोग या प्रवृति कहते हैं।~~
1	(v)	निवेश गुणक की गणना का सूत्र ⇒ $K = \frac{\Delta Y}{\Delta I}, \frac{1}{MPS}, \frac{1}{1-MPC}$
1	(vi)	वार्षिक वित्तीय ब्योरा ⇒ एक लेखा वर्ष में सरकार की आय व व्यय के लेखे - जोखे को ही वार्षिक वित्तीय ब्योरा कहते हैं।
1	(iii)	सीमांत उपभोग प्रवृति ⇒ आय होने वाले परिवर्तन के फल स्वरूप उपभोग में होने वाले अनुपात को सीमांत उपभोग प्रवृति कहते हैं।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

2 4 Ans. पूँजीवादी अर्थव्यवस्था के दो प्रमुख लक्षण बताइये। -

(i) इस अर्थव्यवस्था में नियंत्रण निजी व्यक्तियों तथा पूंजीपतियों का होता है।

(ii) इसमें उत्पादन लाभ के उद्देश्य से किया जाता है तथा इसमें समाज कल्याण को महत्व नहीं दिया जाता।

BSER-177/2024

2 10 Ans. उपयोगिता =>

किसी वस्तु व सेवा में वह गुण है जो मानविय मानवीय आवश्यकताओं को संतुष्ट करती है उसे उपयोगिता कहते हैं।

जैसे -> 1 सेब -> एक व्यक्ति द्वारा 1 सेब का उपभोग किया जाता है जिससे उसको संतुष्टि की प्राप्ती होती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

2 11. Ans.

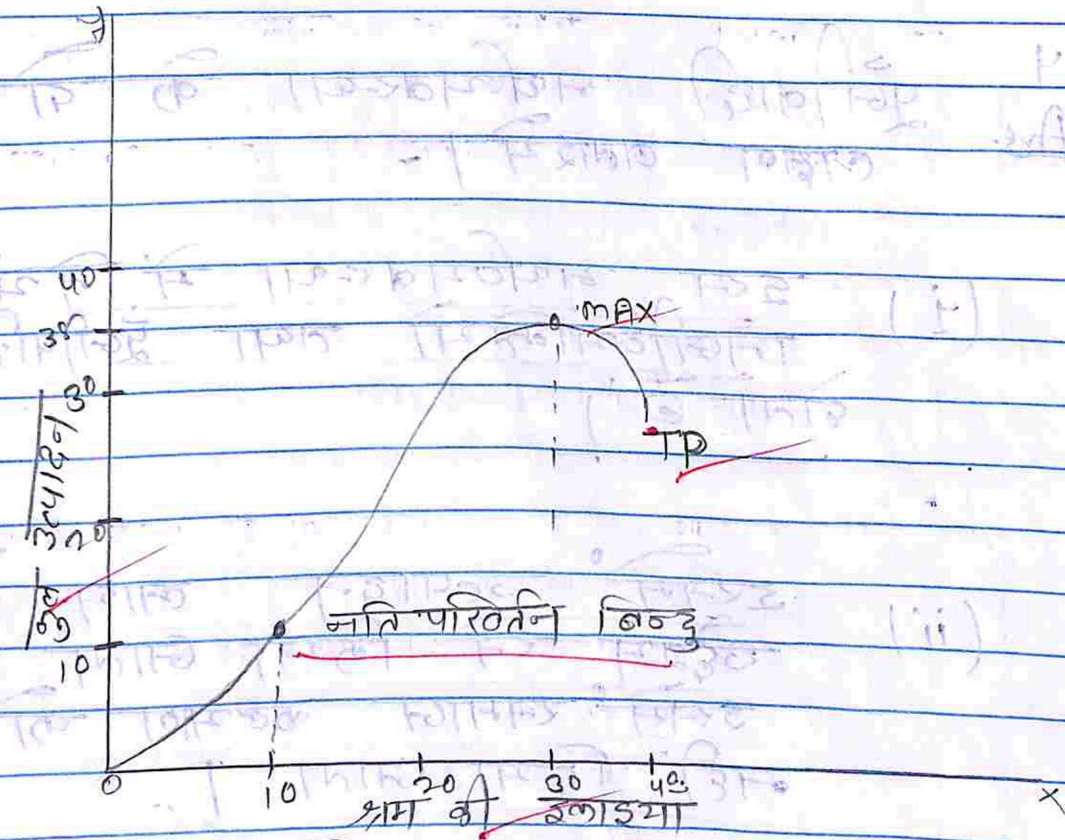

चित्र - उत्पादन संभावना वक्र

2 12 Ans.

औसत उत्पादन और सीमान्त उत्पादन मे भेद =>

औसत उत्पादन =>

कुल उत्पादन ~~लब्ध~~ मे कुल उत्पादन मात्रा भाग देने प्राप्त होने वाले वाला मान औसत उत्पादन कहलाता है।

जबकि,

सीमान्त उत्पादन =>

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

एक अति वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई उत्पादन बढ़ाने से कुल उत्पादन में होने वाला परिवर्तन ही सीमान्त उत्पादन कहलाता है।

2 7 Ans.

क्र.सं.	मदें	मूल्य (मि. डॉलर में)
1.	निर्यात	160
2.	आयात	240
3	व्यापार सन्तुलन	~~-80~~ -80
4.	अदृश्य मदें (निवल)	50
5.	चालू खाते का शेष	~~-50~~ -30

2 9 Ans. सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण तथा आदर्शक आर्थिक विश्लेषण की विवेचना ⟹

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

→ सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण ⇒

① इसे तथ्यों पर जोर दिया जाता है।

② इसमें क्या था? क्या होगा? क्या होने वाला है? आदि प्रश्नों का ~~जवा~~ जवाब दिया जाता है।

③ इसमें सकारात्मक तथ्यों पर विचार किया जाता है।

जबकि,

आदर्शक आर्थिक विश्लेषण ⇒

→ इसमें आदर्श मूलक परिस्थितियों का अध्ययन किया जाता है।

→ इसमें तथ्य पर जोर नही दिया ~~जा~~ जाता।

→ मूल्य निर्णय सुनाया जाता है।

2 — 5 13 Ans: यदि उपभोग फल

$C = 40 + 0.75\ Y$

निवेश $I = 10$ करोड़

तो प्रत्याशित मांग का मूल्य =

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

$C + I = Y$

~~$40 + 10 = 0.75Y$~~

$50 + 0.75Y$

~~अनुसरण माँग $\Rightarrow \frac{75}{50} \Rightarrow 75 = 15$ Rs~~

$Y = \frac{1}{1 - 0.75} \times 50 = \frac{1}{0.25} \times 50 = 200$

3 14 Ans. (i) बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद ⇒

एक ~~बर्ष~~ वर्ष में एक देश के की घरेलू सीमा के अन्तर्गत उत्पादित समस्त अंतिम वस्तु और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य ही सकल घरेलू उत्पाद कहलाता है।

(ii) साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद ⇒

एक वर्ष में एक देश के अंतर्गत उत्पादित समस्त अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य में अप्रत्यक्ष कर को घटाने पर तथा Subsidy को जोड़ने पर प्राप्त योग ही साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद कहलाता है।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद

एक वर्ष में एक देश के अंतर्गत उत्पादित समस्त अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के मौद्रिक मूल्य में से मूल्यह्रास को घटाने पर प्राप्त योग ही बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद कहलाता है।

3 | 15. | भोजनागत व्यय और गैर भोजनागत व्यय =>

भोजनागत व्यय =

सरकार के ऐसे खर्चे जो सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए जिन योजनाओं पर व्यय किया जाता उसे योजनागत व्यय कहते है।

Example -> मनरेगा, FYP, विद्युतपूर्ति, सड़क (NH) आदि।

गैर-योजनागत व्यय =>

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

इस सरकार के ऐसे खर्चे जो सरकार को बिना योजना के करने पड़ते हैं। उन्हे गैर योजनागत व्यय कहते हैं।

Example-> सरकारी कर्मचारियों की पेंशन और वेतन।, वृद्धावस्था पेंशन, छात्रवृति, सामाजिक सुरक्षा अंशदान, प्रतिरक्षा खर्च, ऋणों पर ब्याज का भुगतान आदि।

2½ + ½ = 3

16. Ans.

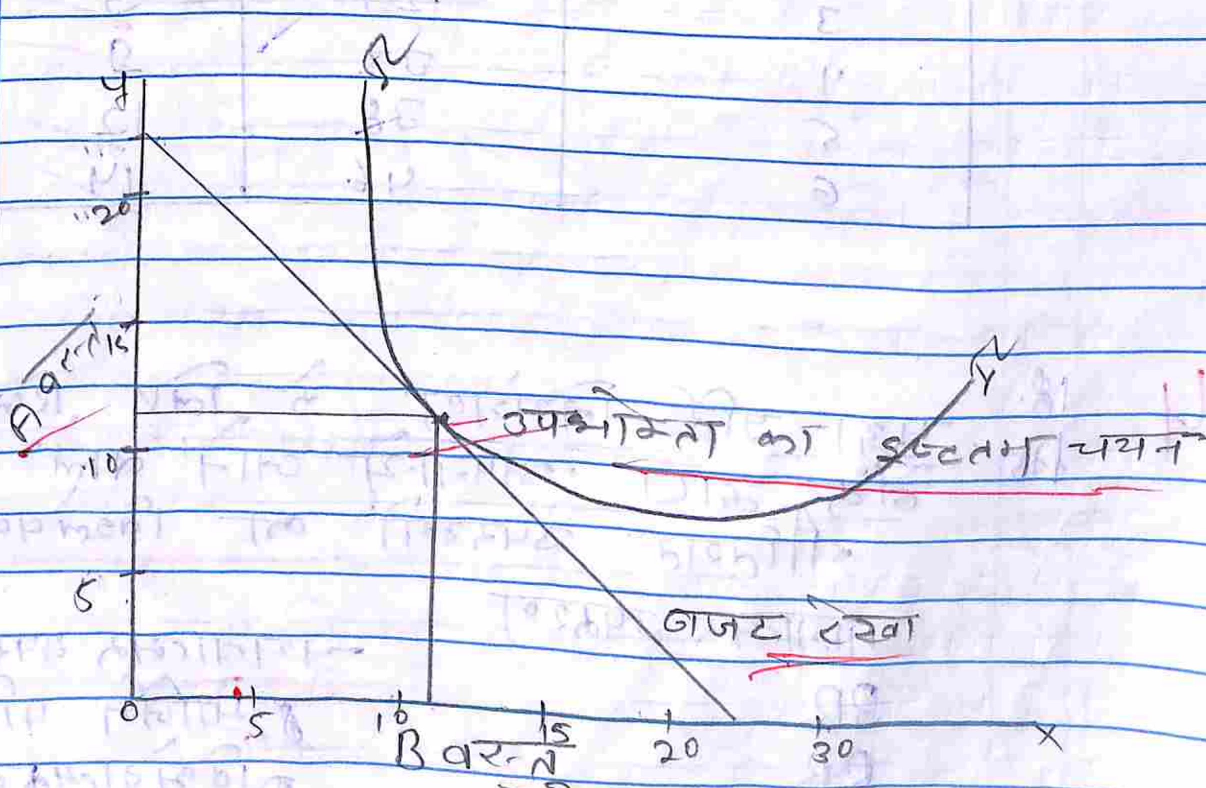

चित्र- बजट रेखा

BSEB-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जब एक उपभोक्ता अपनी संपूर्ण आय दो वस्तु पर समान रूप से व्यय करता है उस वह बिन्दु उपभोक्ता का इष्टतम चयन कहलाता है।

3

17. नि.

उत्पादन कर	कुल लागत	लाभ रु
1	15	-5
2	22	-2
3	27	3
4	31	9
5	38	12
6	46	14

4

18. नि. मुद्रा पूर्ति नियंत्रण के लिए रिजर्व बैंक द्वारा अपनाये जाने वाले नीतिगत उपकरणों का विश्लेषण =)

मात्रात्मक उपकरण
BR
RR
RRR
CRR
SLR
OMO → MSFR

चयनात्मक उपकरण
- मार्जिन परिवर्तन
- विभेदात्मक ब्याज दरें
- प्रत्यक्ष कार्यवाही

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

नैतिक सुझाव

BR => वह दर जिस पर व्यापारिक RBI व्यापारिक बैंकों को दीर्घकालीन लोन उपलब्ध कराता है उसे BR कहते

-> मात्रक ~~जब~~ RBI मुद्रास्फीति के समय मात्रात्मक उपकरणों की दरों वृद्धि करता है तथा मुद्रा संकुचन के समय दरों कम करता है। जिससे अर्थव्यवस्था में संतुलन बना रहता है।

-> RBI मुद्रास्फीति के समय गुणात्मक उपकरणों की दरों में वृद्धि करता है ~~जब~~ तथा मंदी के इन दरों में कमी करता है।

-> राजकोषीय नीति द्वारा ->

सरकार द्वारा मुद्रास्फीति के समय सार्वजनिक व्यय, सार्वजनिक आय आदि में कम करती है और मुद्रास्फीति को कम करती है व मंदी के समय बढ़ा देती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

4 — 20 Ans

निर्गत	कुल लागत	औसत लागत	सीमान्त लागत
0	10	0	0
1	18	18	8
2	25	12.5	7
3	30	10	5
4	32	8	2

4 — 17 Ans:

बाजार माँग ⇒ विभिन्न कीमतों पर खरीदी जाने वाली वस्तु मात्रा ही बाजार माँग कहलाती है।

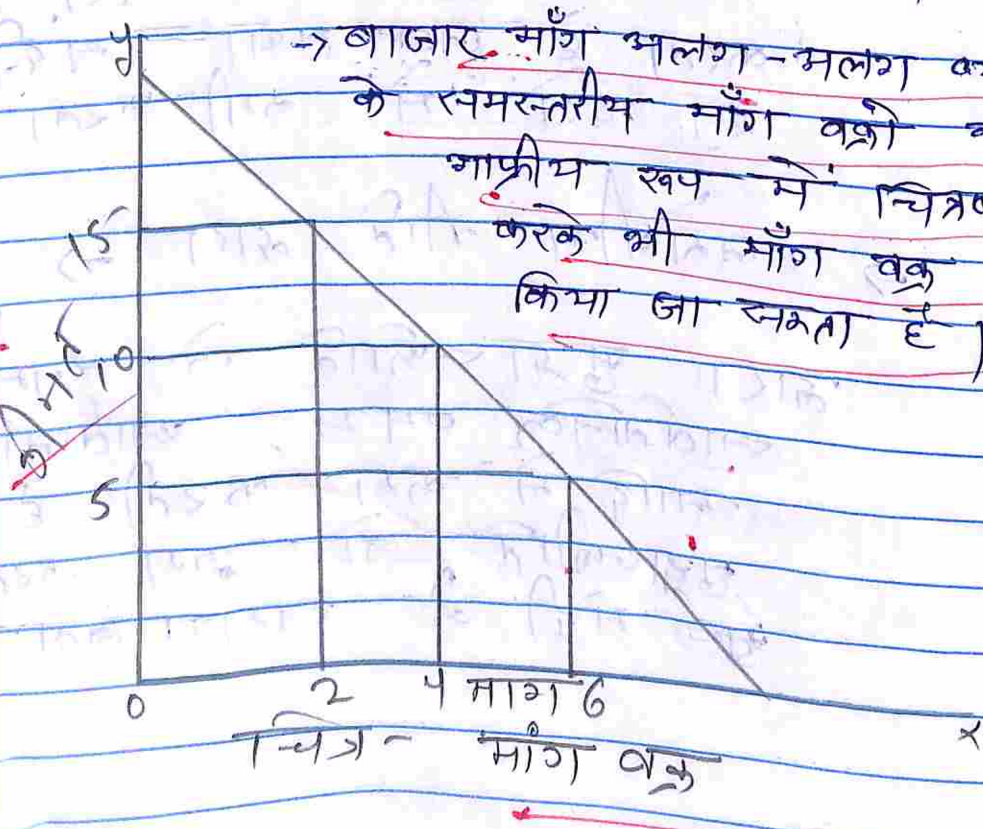

चित्र - मांग वक्र

→ बाजार माँग अलग-अलग व्यक्तियों के समस्तरीय माँग वक्रों का ग्राफीय रूप में चित्रण करके भी माँग वक्र प्राप्त किया जा सकता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जब उपभोक्त विभिन्न कीमतों जैसे 5, 10, 15 वस्त वस्तु की मात्रा जैसे 2, 4, 6 को करीदता है तो यह बाजार मांग कहलाती है।

2 13 Ans:

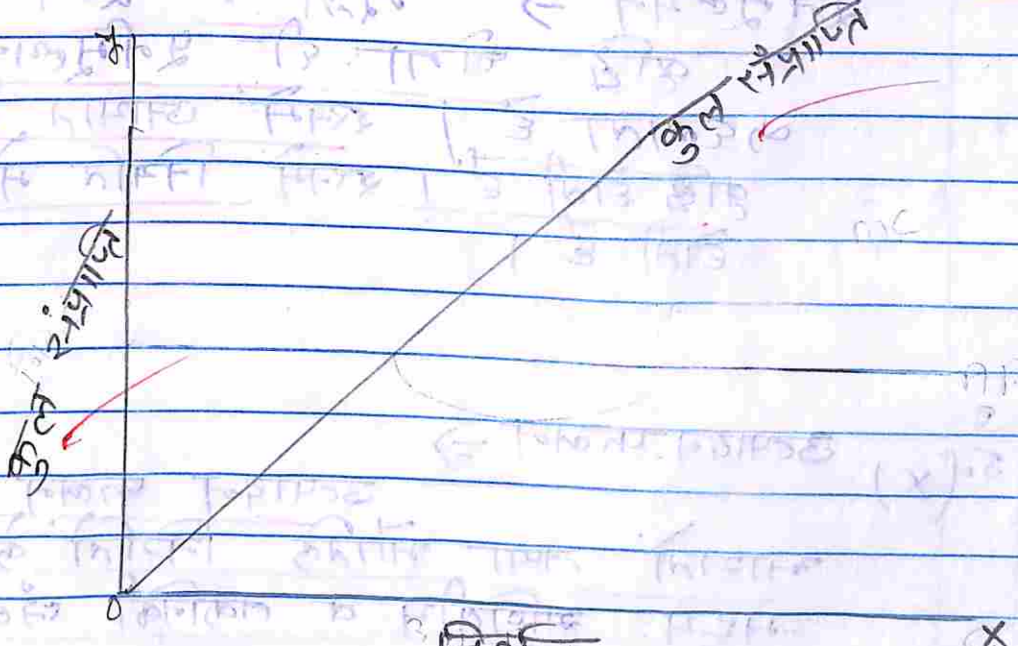

चित्र - कुल संप्राप्ति वक्र

1½ 6 Ans: सरकार बजट द्वारा स्थरीकरण कार्य :-

सरकार बजट द्वारा एक अर्थव्यवस्था में आर्थिक का विकास सुव्यवस्थित बनाने के लिए बजट जारी करती है जिससे उस देश का आर्थिक विकास सुचारु से होता रहे।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
2	8.	अवमूल्यन और पुर्नमूल्यन में भेद।
		अवमूल्यन → मुद्रा के मूल्य में कमी होना ही अवमूल्यन कहलाता है। इसमें निर्यात बढ़ता है। इसमें आयात में कमी होती है।
		पुर्नमूल्यन → मुद्रा के मूल्य में वृद्धि होना ही पुर्नमूल्यन कहलाता है। इसमें आयात में वृद्धि होती है। इसमें निर्यात में कमी होती है।
1	3. (x)	उत्पादन फलन ⇒ उत्पादन फलन भौतिक आगतों तथा भौतिक निर्गतों के मध्य गणितीय व तकनीकी संबंध को बताता है।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024